भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1593
31 जुलाई, 2026 को उत्तर के लिए

इस्पात का उत्पादन और खपत

1593. **श्री नारायण दास गुप्ताः**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में इस्पात के उत्पादन और खपत का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने घरेलू इस्पात उद्योग पर आयात के प्रभाव का आकलन किया है;

(ग) देश में विशेष श्रेणी के इस्पात (स्पेशियलिटी स्टील) के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) सरकार की विभिन्न पहलों के अंतर्गत इस्पात क्षेत्र में किए गए निवेश का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) देश में क्रूड स्टील का उत्पादन 2021-22 में 120.29 मिलियन टन (एमटी) से बढ़कर 2025-26 में 170.15 एमटी हो गया। इसी अवधि के दौरान, तैयार इस्पात की खपत 105.75 मिलियन टन से बढ़कर 164.36 मिलियन टन हो गई।

(ख) जी, हाँ। सरकार इस्पात आयात और घरेलू इस्पात उद्योग पर इसके प्रभाव की लगातार निगरानी करती है। तैयार इस्पात की खपत के प्रतिशत के रूप में आयात 2021-22 में 4.42 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में 3.97 प्रतिशत हो गया है।

(ग) और (घ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए अनुकूल नीतिगत वातावरण सृजित कर एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करती है। निवेश संबंधी निर्णय अलग-अलग इस्पात कंपनियों द्वारा प्रौद्यो-वाणिज्यिक विश्लेषण के आधार पर लिए जाते हैं। मूल्यवर्धित विशेष इस्पात के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने, आयात पर निर्भरता कम करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए सरकार 6,322 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ विशेष इस्पात के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू कर रही है। जून 2026 तक**,** इस योजना के तहत सहभागी कंपनियों द्वारा लगभग 26,320 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है।

*****